तीसरी हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत

पोसोको कार्यालय मे दिनांक 04.06.2012 को प्रात: 11.30 बजे हिन्दी कार्यशाला का आयोजन भूतल स्थित सम्मेलन कक्ष में किया गया जिसमे पोसोको कार्यालय, व राष्टीय भार प्रेषण केन्द्र के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बडे उत्साह से भाग लिया।

1.0 राजभाषा के नियमों अधिनियमों व कार्यालीन कार्यों में हिन्दी को कैसे बड़ावा दिया जाये, वढ़ा इस सम्बन्ध में अप्रेल से जून की तिमाही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करने के लिये महाप्रबंधक(रा.भा.प्रे.के.) से 30 अप्रेल 2012 को अनुमोदन प्राप्त किया गया और इसमें कार्मिकों को व्याख्यान देने के लिये श्री प्रेम सिंहजी को और हिन्दी अधिकारियों को हिन्दी की रिपोर्ट भरने के लिये समुचित् जानकारी देने हेतु डा. ऋषिपाल सिंह चौहानजी को आमंत्रित किया गया ।

2.0 उच्च अधिकारियों का विडियो कांफ्रेस में व्यस्त होने के कारण श्री अवधेश मनि, अपर महाप्रबंधक ने बाह्य संकाय श्री प्रेम संकाय का पोसोको कार्यालय में व्याख्यान देने के लिये आने पर हार्दिक अभिनन्दन किया तत्पश्चात श्री अशोक मारवाह, मुख्य प्रबंधक(मानव संसाधन विभाग) ने श्री प्रेम सिंह व सभी प्रतिभागियों का हिन्दी कार्यशाला मे पधारने पर हार्दिक स्वागत किया । दोपहर 2.30 बजे से 04.00 बजे तक पोसोको व राष्टीय भार प्रेषण केन्द्र कार्यालय के हिन्दी अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु डा. ऋषिपाल सिंह चौहान को भी आमंत्रित किया था ।

3.0 श्री मारवाह ने अपने वक्तव्य मे कहा कि आजादी के इतने वर्षों के उपरांत भी कार्यालय के कार्मिकों को तिमाही रिपोर्ट भरने हेतु जिन जिन मुश्किलों का सामना करना पडता है आज श्री प्रेम सिंहजी अपने वक्तव्य में उन मुश्किलों से कैसे निपटा जाये और तिमाही रिपोर्ट को कैसे आसानी से भरा जाये इस विषय पर आज का वक्तव्य देंगे और हम कामना करते हैं कि इस कार्यशाला से प्रभावित होकर हमारे अधिकारियों /कर्मचारियों को

अपनी जिम्मेवारी के बारे में न केवल पता चलेगा अपितु हिन्दी में कार्य करने के लिये और अधिक प्रेरणा मिलेगी।

4.0 श्री प्रेमसिहंजी ने अपना वक्तव्य के आरम्भ में कहा कि आज हम निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करेंगे : -

- कार्यालीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी का अधिक प्रयोग

राजभाषा नीति और

तिमाही रिपोर्ट कैसे भरें ।

5.0 श्री प्रेमसिंहजी ने जहाँ एक और कहा कि भारतवर्ष के संविधान में कुल 395 आर्टिकलस हैं जिसमें से कुल 12 आर्टिकलस राजभाषा हिन्दी के विषय में ही हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त उन्होनें जहाँ एक और सभी नियमों उपनियमों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया वहीं दूसरी तरफ तिमाही रिपोर्ट भरते हुए किन किन सावधानियों का ध्यान रखा जाये इस बात पर भी प्रकाश डाला।

6.0 मुख्य प्रबंधक (मा.सं) ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी से प्रतिभागियों को हिन्दी में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु आशीर्वाद भरे वचनों के लिये विनम्र निवेदन किया । श्री सोनी नें श्री प्रेम सिंह जी से कहा कि आज का युग सूचना प्रोद्योगिकी का युग है और आज हमें कागजों पर हिन्दी में किये गये कार्य को उतारने की जगह ईमेल व अन्य साधनो को अपनाते हुए जल्दी से जल्दी अपने विचारों को सभी कार्मिकों तक पहुंचाना चाहिए इससे एक तरफ कागज की बचत होगी वंही हिन्दी के छोटे छोटे वाक्यों को ईमेल में लिखने से राजभाषा हिन्दी में कार्य करने को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा जिसके लिये श्री प्रेम सिंहजी नें भी अपनी सहमति दी।

7.0 अंत में मुख्य प्रबंधक(मा.सं) नें मुख्य कार्यपालक अधिकारीजी को अपना कीमती समय निकाल कर हिन्दी कार्यशाला में पधारने पर धन्यवाद दिया व हिन्दी कार्यशाला मे आए हुए सभी प्रतिभागियों का आभार भी व्यक्त किया। श्री प्रेम सिंहजी को अपना व्याख्यान पोसोको कार्यालय में आकर देने हेतु मानदेय का चेक भी मुख्य कार्यपालक अधिकारीजी ने भेंट किया । कार्यशाला मे आए हुए प्रतिभागियों की हस्ताक्षरित सूची सलंग्न है ।

8.0 दोपहर को डा. ऋषिपाल सिंह चौहान नें मुख्य प्रबंधक(मा.सं), श्री अनिल मेहता कार्यपालक सचिव और श्री सुरेश कोहली जनसम्पर्क अधिकारी (मानव संसाधन विभाग) को हिन्दी की वार्षिक रिपोर्ट कैसे भरी जाये इस बात पर अपना वक्तव्य दिया व वार्षिक रिपोर्ट भरते वक्त किन किन सावधानियों का ध्यान रखा जाये इस बात पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अवलोकानार्थ प्रस्तुत है।

04.06.12

(अनिल मेहता)

कार्यपालक सचिव(मा.सं)

मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन)

महाप्रबंधक(रा.भा.प्रे.के.)

मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको)

5/6/12

कापी: श्री आई आर किदवई, कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन विभाग), पावरग्रिड